जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 | वर्षः 17 | संख्याः 146 | प्रभात | हिण्डौन सिटी, मंगलवार 1 अप्रेल, 2025 | पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

'मोदी का उत्तराधिकारी ढूंढने की कोई आवश्यकता ही नहीं, वे 2029 में भी प्र.मंत्री के उच्चतम पद पर रहेंगे'

महाराष्ट्र के मु.मंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने स्पष्ट शब्दों में पत्रकारों से कहा। जैसा कि विदित ही है फड़नवीस को मोदी के उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस, जिनके सत्तासीन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उत्तराधिकारी होने की संभावना बढ़ती जा रही हैं, ने आज कहा कि देश के कार्यपालिका प्रधान के उत्तराधिकारी की "तलाश की कोई जरूरत नहीं" है। मोदी 2029 में देश के इस शीर्ष को पुनः सँभालेंगे।

उनका यह बयान शिव सेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत के इस दावे के जवाब में आया है कि आरएसएस मोदी के उत्तराधिकारी की तलाश में है। आज सुबह राउत ने कहा था कि रविवार को हुई मोदी की आरएसएस मुख्यालय यात्रा का उद्देश्य संघ प्रमुख मोहन भागवत को यह संदेश देना था कि वे सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

नागपुर में पत्रकारों से बात करते हुये, फड़नवीस ने कहा, "उनके

- दूसरी ओर शिव सेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता संजय राउत, दिन भर बयान देते रहे कि, मोदी नागपुर, आरएसएस के मुख्यालय संघ को बताने गये थे कि वे इस्तीफा देने जा रहे हैं तथा राउत के अनुसार, नया प्र.मंत्री महाराष्ट्र का बाशिंदा होगा।
- फड़नवीस ने राउत की दोनों बातों का खण्डन किया और कहा, भारतीय संस्कृति में बाप के जीते जी उसके उत्तराधिकारी की बात करना बेहूदापन माना जाता है। यह मुगल कल्चर जरूर हो सकता है।
- संघ के वरिष्ठ नेता, सुरेश भैयाजी जोशी, ने इस मुद्दे पर आगे कहा, "उनकी जानकारी में तो ऐसी कोई बात नहीं आई कि मोदी के उत्तराधिकारी के चयन पर कहीं भी चर्चा हुई है।
- भैयाजी ने यह भी कहा कि ऐसा कोई नियम नहीं है कि 75 की उमर पार करने वाले कोई पद नहीं पा सकते सरकार में। वर्तमान में ही अस्सी वर्षीय, बिहार के नेता, जीतन राम मांझी केन्द्रीय मंत्रिमंडल के सदस्य हैं।

(मोदी) उत्तराधिकारी की तलाश की कोई जरूरत नहीं है। वे हमारे नेता हैं और बने रहेंगे।"

वर्तमान विवाद की जड़ स्वयं मोदी में ही निहित है। उन्होंने 2014 में सत्ता में आने पर यह नीति प्रतिपादित की थी कि 75 वर्ष से अधिक उम्र के नेता सरकार का हिस्सा नहीं रहेंगे तथा पार्टी में भी पदाधिकारी नहीं रहेंगे। इस नीति के फलस्वरूप, एल.के. आडवाणी, डॉ. मुरली मनोहर जोशी, यशवंत सिन्हा तथा अरूण शौरी जैसे नेता सेवानिवृत्त श्रेणी में आ गये थे। दरअसल, अटल बिहारी वाजपेयी, जो उस समय जीवित थे, आडवाणी तथा जोशी के साथ ही, अप्रभावी तथा दायित्व-मुक्त कर दिये गये थे। इन सभी उम्रदराज नेताओं को मिलाकर बने "मार्गदर्शक मण्डल की न कभी कोई बैठक हुई और न भाजपा सरकार ने इससे कभी परामर्श ही किया। आरएसएस ने उम्रदराज़ लोगों को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

रविवार व अन्य पेड लीव सेवा अवधि में शामिल मानी जाए

जयपुर, 31 मार्च। राजस्थान हाईकोर्ट ने केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के उस आदेश को खारिज कर दिया है, जिसमें न्यायाधिकरण ने कर्मचारी की सेवा अवधि की गणना करते समय रविवार और अन्य सवैतनिक अवकाशों को ध्यान में नहीं रखा था। इसके साथ ही, अदालत ने प्रकरण को नए सिरे से सुनवाई के लिए पुनः केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के समक्ष भेजा है। अदालत ने न्यायाधिकरण से कहा है कि वह दोनों पक्षों को सुनवाई का मौका देकर नए सिरे

- राजस्थान हाई कोर्ट ने यह फैसला देते हुए केन्द्रीय औद्योगिक न्यायाधिकरण के आदेश को खारिज कर दिया और मामले की नए सिरे से सुनवाई करने को कहा।

से आदेश पारित करे। जस्टिस अनूप कुमार ढंड की एकलपीठ ने ये आदेश लाल चंद जिंदल की याचिका पर सुनवाई करते हुए।

याचिका में अधिवक्ता सुरेश कश्यप ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता लालचंद जिंदल बैंक ऑफ बड़ौदा का कर्मचारी था। उसकी सेवाओं को समाप्त करने के खिलाफ उसने न्यायाधिकरण, कोटा में दावा किया था।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या केरल में विधानसभा चुनाव से पूर्व शशि थरुर कांग्रेस में अपनी "इम्पॉर्टैन्स" बढ़वाना चाहते हैं?

या, वे वाकई में भाजपा को "जॉइन" करने की दिशा में बढ़ रहे हैं?

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। क्या अगले साल होने वाले केरल विधासनभा चुनावों से पहले शशि थरुर राज्य की राजनीति में अपनी अपरिहार्यता तथा अनिवार्यता स्थापित करना चाह रहे हैं? या फिर उनकी गतिविधियाँ उनके भाजपा में शामिल होने का संकेत हैं?

तिरुवन्तपुरम के सांसद शशि थरुर ने पिछले 10 दिनों में तीन अवसरों पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली एनडीए सरकार की प्रशंसा की है। सबसे पहले, उन्होंने भारत सरकार की रुस-यूक्रेन नीति के सम्बंध "शर्मिन्दा होना" स्वीकार किया। दूसरी बार, जब भारत-अमेरिका के बीच टैरिफ के विषय में प्रतिनिधिमंडल स्तरीय वार्ताएं चल रही थीं, उन्होंने मोदी सरकार द्वारा अपनी बात मजबूती से रखने के लिये उसकी तारीफ की। तीसरा, और बिल्कुल ताज़ा अवसर वह था, जब थरुर ने मोदी सरकार की "वैक्सीन डिप्लोमेसी" की प्रशंसा की।

विशेष रुप से उनकी यह अंतिम टिप्पमी राहुल गांधी तथा कांग्रेस पार्टी के अधिकृत रुख को चुनौती देती प्रतीत होती है। कांग्रेस वर्किंग कमेटी

- ऐसी चर्चाएं इसलिए उठ रही हैं, क्योंकि गत दस दिनों में शशि थरुर ने तीन बार प्र.मंत्री मोदी की जमकर तारीफ की है।
- पहली बार तो उन्होंने कहा कि वे एकदम गलत थे, जब वे प्र.मंत्री मोदी की यूक्रेन नीति की आलोचना कर रहे थे, यानि प्र.मंत्री मोदी की यूक्रेन नीति एकदम सही थी।
- दूसरी बार, उन्होंने प्र.मंत्री मोदी की तारीफ में कहा कि प्र.मंत्री ने अमेरिका के "टैरिफ वॉर" में अपना (भारत का) पक्ष बड़ी मजबूती से पेश किया।
- तीसरी बार, उन्होंने कोविड के दौरान मोदी सरकार की "वैक्सीन कूटनीति" की भी भारी प्रशंसा की थी।

(सीडब्ल्यूसी) की आगामी मीटिंग में, कांग्रेस एनडीए सरकार के "कोविड कुप्रबन्धन" पर एक प्रस्ताव लाना चाहती है।

केरल, कुछ अन्य राज्यों की तरह, "रिवॉल्विंग डोर" नीति पर चलते हुये, हर पाँच साल बाद सरकार बदलता है। कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ यह आशा सँजोये हुये है कि 2026 में, जब एलडीएफ का कार्यकाल पूरा हो जायेगा, यूडीएफ सत्ता में आ जायेगा। सवाल यह है कि शशि थरुर कांग्रेस की संभावनाओं को कितना नुकसान पहुँचा सकते हैं? और भी ज्यादा महत्वपूर्ण बात यह है - थरुर आखिर चाहते क्या हैं?

थरुर सदैव ही स्वतंत्र -विचारक किस्म के व्यक्ति रहे हैं। उन्होंने जहाँ आपातकाल तथा जवाहर लाल नेहरु के "पंचायती राज" का विरोध किया है, वहीं, हिन्दुत्व और भाजपा के साम्प्रदायिक एजेंडा के खिलाफ भी अपने सख्त विचार व्यक्त किए हैं। यही नहीं, उन्होंने वामपंथ की नीतियों का भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जेईई मेन्स परीक्षा से दो दिन पहले कोचिंग छात्र ने आत्महत्या की

लखनऊ निवासी उज्ज्वल ने ट्रेन के आगे कूदकर जान दे दी

कोटा, 31 मार्च (निसं)। इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा की तैयारी कर रहे एक और कोचिंग छात्र की आत्महत्या का मामला सामने आया है। छात्र ने ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या की है। इस वर्ष अब तक कोटा में दस छात्र आत्म हत्या कर चुके हैं। सूत्रों ने बताया कि 2024 में कुल 17 व 2023 में कुल 26 छात्रों ने आत्म हत्या की थी। गत सप्ताह नीट की तैयारी कर रहे बिहार के एक छात्र ने आत्महत्या की थी।

मूलतः लखनऊ, उत्तर प्रदेश का रहने वाला छात्र 18 वर्षीय उज्ज्वल मिश्रा 2 साल से कोटा में जेईई मेन और एडवांस्ड की तैयारी कर रहा था। छात्र की जॉइंट एंट्रेंस एग्जाम मेन की परीक्षा 2 अप्रैल को होने वाली थी, लेकिन उसके पहले ही उसने आत्महत्या कर ली। मृतक छात्र के पिता दीपक मिश्रा कृषि साइंटिस्ट हैं।

जीआरपी थाने के उप निरीक्षक धर्म सिंह ने बताया कि घटना रविवार शाम 6.30 बजे के करीब हुई। मृतक छात्र

- मृतक छात्र के पिता दीपक मिश्रा कृषि वैज्ञानिक हैं, वे बेटे को लेने आ रहे थे, उन्हें रास्ते में यह सूचना मिली।
- उन्होंने बताया, बेटे से बात होती थी, उन्हें भी नहीं लगा कि वह ऐसा कुछ कर सकता है।
- कोटा में इस वर्ष अभी तक 10 छात्र आत्महत्या कर चुके हैं। वर्ष 2024 में 17 और 2023 में 26 छात्रों ने आत्महत्या की थी।

के शव को एमबीएस अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। उसकी जेब से मिली आईडी से उसकी पहचान हुई कि मृतक लखनऊ निवासी उज्ज्वल मिश्रा है, जो इस समय राजीव गांधी नगर में रहकर जेईई के लिए कोचिंग कर रहा था। मृतक छात्र के पिता को घटना के संबंध में जानकारी दे दी गई है और वे कोटा पहुंच गए हैं। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया है।

पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतक छात्र के पिता ने बताया कि उनका बेटा राजीव गांधी नगर में रहकर 2 साल से कोचिंग कर रहा था तथा 29 मार्च को उसके बोर्ड एग्ज़ाम खत्म हुए थे और 2 अप्रैल को जेईई मेन की परीक्षा थी, जिसका सैंटर कानपुर था। पिता बेटे को लेने कोटा आ रहे थे, लेकिन रास्ते में यह दुखद सूचना उन्हें मिली। पिता ने कहा, समझ नहीं आ रहा बेटे ने ऐसा क्यों किया, उससे रोज बात होती थी। उन्होंने आशंका जताई कि उनका बेटा तनाव में था और अपनी बात किसी से साझा नहीं कर पा रहा था। उन्होंने बताया

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मु.मंत्री ने सुनीं, जनता की समस्याएं

जयपुर, 31 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर जनसुनवाई की। उन्होंने वहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति से आत्मीयता से मुलाकात की तथा जनता की समस्याओं को सुना। शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं के शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान, मुख्यमंत्री ने

- अपने आवास पर हुई जनसुनवाई में मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जनता की समस्याओं को तुरंत निपटाने के निर्देश दिए।

जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम, जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण एवं चिकित्सा सहित, विभिन्न विभागों की आमजन से संबंधित समस्याओं को सुना तथा कई समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण कर परिवादियों को राहत दी। जनसुनवाई के दौरान, आमजन ने शर्मा का दुपट्टा ओढ़ाकर अभिनन्दन किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि और आमजन उपस्थित थे।

तमिलनाडु के भाजपा अध्यक्ष ने केन्द्र का रुख देखकर अपनी लय बदली

अन्नामलाई ने जयललिता के भ्रष्टाचार को बार-बार मुद्दा बनाकर अन्नाद्रमुक को भाजपा के साथ गठबंधन तोड़ने को मजबूर कर दिया था

-लक्ष्मण कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। चुनाव वर्ष करीब होने के कारण भाजपा का तमिलनाडु पर फोकस और बढ़ गया है। भाजपा की केन्द्रीय और तमिलनाडु राज्य इकाई, दोनों तरफ से अन्नाद्रमुक (ए.आई.ए.डी.एम.के.) के साथ गठबंधन करने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं, जिसके सहयोग के बिना भाजपा दक्षिण के इस राज्य में सफलता की आशा नहीं कर सकती है।

भाजपा के तमिलनाडु अध्यक्ष, के. अन्नामलाई, जिन्होंने जयललिता की तीव्र आलोचना तथा "भ्रष्ट" ए.आई.ए.डी.एम.के. तथा उसके नेतृत्व पर तीव्र प्रहार करके एक तरह से अन्नाद्रमुक को गठबंधन के बाहर खदेड़ दिया था, अब एकदम अलग सुर में बात कर रहे हैं, विशेषरुप से जब से दिल्ली से पार्टी नेतृत्व ने अन्नाद्रमुक के साथ हाथ मिलाने के संकेत दिए हैं। आज

- पर, उन्हीं भाजपा प्रदेश अध्यक्ष अन्नामलाई ने केन्द्रीय नेतृत्व का तमिलनाडु में अन्नाद्रमुक के साथ गठबंधन का मन देखकर, अपनी आक्रामक विरोधी शैली को बदल दिया है।
- अन्नामलाई ने कहना शुरु कर दिया है कि उन्हें किसी से शिकायत नहीं, जो एनडीए से जुड़ना चाहे वह जुड़ सकता है।
- पर, अन्नाद्रमुक ने भाजपा के साथ जुड़ने के लिए शायद शर्त रखी है कि, अन्नामलाई के प्रदेशाध्यक्ष रहते हुए वो गठबंधन से जुड़ने का कदम नहीं उठा सकती।
- अतः, चर्चा है कि अन्नामलाई को पार्टी के केन्द्रीय संगठन में या केन्द्रीय मंत्रिमंडल में स्थान दिया जायेगा, अन्नाद्रमुक से हाथ मिलाने के लिए।

उन्होंने मीडिया को बताया कि वे किसी भी पार्टी या व्यक्ति के खिलाफ नहीं हैं और यह भी, कि एन.डी.ए. में हर पार्टी का स्वागत है।

ज्ञातव्य है कि जयललिता और उनके कथित भ्रष्टाचार को लेकर अन्नामलाई की तीव्र आलोचना के कारण अन्ततः भाजपा और अन्नाद्रमुक के संबंध टूटे थे। अन्नामलाई बहुत अधिक आक्रामक हो गए थे और अपनी गतिविधियों से उन्होंने भाजपा को विपक्ष की मुख्य पार्टी बना दिया था। उनके द्वारा अन्नाद्रमुक तथा उसके नेतृत्व की लगातार आलोचना ही अंततः दोनों पार्टियों के बीच संबंध विच्छेद का कारण बनी तथा दोनों पार्टियों ने सन् 2024 के लोकसभा चुनाव अलग-अलग लड़े। परिणाम यह हुआ कि दोनों ही पार्टियाँ राज्य में एक सीट भी नहीं जीत पाईं।

अब अन्नामलाई की टिप्पणियों व वक्तव्यों से स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि दोनों पूर्व सहयोगियों के बीच गठबंधन की संभावना के बाद तमिलनाडु भाजपा में काफी उथल-पुथल है।

ए.आई.ए.डी.एम.के. नेतृत्व ने बहुत स्पष्ट कर दिया है कि अन्नामलाई के नेतृत्व वाली भाजपा राज्य इकाई के साथ वो कोई संबंध नहीं चाहते, ऐसे में, अन्नाद्रमुक तथा तमिलनाडु भाजपा के एक वर्ग में उम्मीद की जा रही है कि पूर्व पुलिस अधिकारी तथा तमिलनाडु भाजपा इकाई के वर्तमान अध्यक्ष को

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों से मुठभेड़ जारी

दंतेवाड़ा, 31 मार्च। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और बीजापुर में सोमवार को जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हो रही है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, दंतेवाड़ा और बीजापुर में सुरक्षाबलों के जवानों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। इस मुठभेड़ में एक महिला नक्सली को ढेर कर दिया गया है और उसका शव भी बरामद कर

- सुरक्षा बलों व नक्सलियों के बीच दंतेवाड़ा और बीजापुर में मुठभेड़ चल रही है, एक महिला नक्सली की मौत हो गई है।

लिया है।

जवानों ने महिला नक्सली के शव के साथ इंसास राइफल और भारी मात्रा में गोला बारूद बरामद किया है। मुठभेड़ अभी भी जारी है और जवानों के वापस आने के बाद अंतिम आंकड़े जारी किए जाएंगे।

ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी में ममता बनर्जी का विद्यार्थियों से बातचीत व भाषण एक "फ्लॉप शो" रहा

इंगलैण्ड में रह रही बंगाली जनता ने जमकर नारेबाजी करी, उनके खिलाफ और सार्वजनिक रूप से पूछा, कोलकाता में जूनियर डॉक्टर के "रेप" और हत्या के बारे में

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 31 मार्च। ऑक्सफोर्ड कॉलेज में अपने तथाकथित भाषण की असफलता के बाद, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कोलकाता की रैड रोड पर ईद के उत्सव में अपने 2016 के चुनावी अभियान की शुरुआत की, जिसमें उन्होंने प्रदेश भाजपा पर "गंदा धर्म" अपनाने का आरोप लगाया।

उन्होंने एक बार फिर धार्मिक कार्ड खेला और कहा कि राज्य की मुस्लिम आबादी के साथ मजबूती से खड़े होने वाली वही हैं। उनके भतीजे ने आगे कहा, "यह देश सभी का है, "और विशेष रूप से अल्पसंख्यकों के प्रति सहानुभूतिपूर्ण है। हालांकि, भाजपा गंदा धर्म का पालन कर रही थी।

बनर्जी ईद की नमाज़ के दौरान हर समय उपस्थित होती हैं। इस बार उन्होंने इस बैठक को एक राजनीतिक मंच में बदल दिया, भाजपा पर विभाजन के धर्म का पालन करने का आरोप लगाया और कहा कि वह सभी धर्मों के लोगों के साथ मिलकर काम करने की पक्षधर हैं।

उन्होंने कहा कि भाजपा बंगाल में रामनवमी पर उत्सव मनाने की योजना बना रही है, जिसे उनकी सरकार ने पिछले वर्ष रोकने की कोशिश की थी। उन्होंने दावा किया कि भाजपा इन उत्सवों के दौरान राज्य में साम्प्रदायिक

- पर, ममता बनर्जी ने इस नारेबाजी के समक्ष हार नहीं मानी और किसी तरह का पश्चाताप दिखाना तो दूर की बात, आक्रमक ढंग से डटी रहीं।
- यह कारण रहा कि इंगलैण्ड से लौटते ही उन्होंने कोलकाता के "रैड रोड" पर आयोजित ईद समारोह का पूर्णतया राजनीतिक उपयोग किया और कहा, भाजपा "गंदे धर्म" की राजनीति कर रही है तथा गत वर्ष भाजपा ने रामनवमी पर भारी जुलूस निकालने की पेशकश की थी, जिसे उनके प्रशासन ने फेल कर दिया था।

तनाव भड़काने का प्रयास करती रही है। उन्होंने दर्शकों को चेतावनी दी कि यह एक जाल है और उन्हें उसमें नहीं फंसना चाहिए।

एक तरह से वो लोगों को साम्प्रदायिक हिंसा के लिए उकसा रही थीं, जिसकी वजह से राज्य में पूरी तबाही हो सकती है। यह आवश्यक है कि उन पर अंकुश लगाया जाए, ताकि राज्य को दौर की एक और सबसे खराब हिंसा से बचाया जा सके।

ममता की पिछले ग्यारह वर्षों की राजनीति की कम से कम एक उपलब्धि रही है- बंगाल में मतों का लगभग पूर्ण ध्रुवीकरण हो गया है। यदि कोई निष्पक्ष चुनाव होता है, तो परिणामों में यह ध्रुवीकरण दिखेगा और मतदान पर इसका असर नज़र आएगा।

लेकिन, तृणमूल कांग्रेस, जिसकी राज्य के प्रशासनिक तंत्र और पुलिस पर पूरी पकड़ है, स्वतंत्र मतदान को दबाने और बूथों पर वोट कैप्चर करने में सक्षम है।

उन्होंने आज फिर से अपने धर्म आधारित राजनीतिक अभियान की शुरुआत की। यह कुछ नया नहीं था। सत्ता में बने रहने के लिए राज्य के मुसलमानों के वोट मांग रही थीं। इस प्रकार, वे अल्पसंख्यक मतों के सहारे खड़ी हैं, जबकि भाजपा ने खुद को मुख्य रूप से हिंदुओं का समर्थन प्राप्त करने वाली पार्टी के रूप में स्थापित किया है।

यह सब इंग्लैंड में एक असफल प्रदर्शन के तुरंत बाद आया। लेकिन उनका प्रमुख गुण था उनका विद्रोही रवैया। उन्होंने जो भी कहा, उसकी सर्वव्यापी निंदा हुई, पर उन्होंने कोई पछतावा नहीं दिखाया। कॉलेज छात्रों और अन्य लोगों के सामने उनका प्रदर्शन

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

म्यांमार में अब तक भूकंप के 36 झटके

मांडले, 31 मार्च। म्यांमार में 7.9 तीव्रता वाले घातक भूकंप आने के बाद, अबतक 36 झटके महसूस किए गए। म्यांमार के मौसम विज्ञान और जल

- मौसम विभाग ने बताया कि शुक्रवार को 7.9 तीव्रता का भूकंप आया था, उसके बाद 2.8 से 7.5 तीव्रता तक के 36 झटके आ चुके हैं।

विज्ञान विभाग ने सोमवार को कहा कि आज सुबह तक 2.8 से 7.5 तीव्रता वाले 36 झटके महसूस किये गये।

ये झटके पिछले शुक्रवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12:51 बजे म्यांमार में आए 7.9 तीव्रता के विनाशकारी भूकंप के बाद महसूस किये

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)